आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 3/अंक 1/जनवरी 2023
Received:26/12/2022; Published:31/01/2023

सोलवा साल

सौ.अंजली माधव देशपांडे

नाशिक

मै थी छुईमुई सी

कदम रखा जवानीमे
कलीका फूल हुवा
आग लगी तनमनमे..॥धृ॥

मन चाहे उडु
पंछी बनके गगनमे
लाज मै छिपाऊं
घुंघटकी आडमे..॥१॥

दर्पन मै देखुं
बारबार झांकके
यौवन की मस्ती
रखी आखोंमे मुंदके..॥२॥

सुंदरता छलके
कोमलसे मुखपे
सोलवे सालकी
झांक आई तनपे..॥३॥

****